affairs of the Christians in India are mainly regulated by Indian Statutes.

(b) and (c). No Sir; what the Law Commission has recommended is the consideration of the question whether any legislation is necessary with regard to the statutes specified in the said Report.

(d) Does not arise.

दिल्ली लोको-मैकेनिकल स्टाफ एसोसियेशन (उत्तर रेलवे) द्वारा ज्ञापन

*758. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर रेलवे के दिल्ली लोको-मैकेनिकल स्टाफ एसोसियेशन ने अपनी मांगों के सम्बन्ध में दिल्ली शैड के फोरमैन को अक्तूबर अथवा नवम्बर में एक ज्ञापन दिया था;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार अथवा रेलवे प्रशासन ने उन पर विचार कर लिया है; और

(घ) यदि हां, तो उनकी उन पर क्या प्रतिक्रिया है ?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मैनन) : (क) जी हां, 17-11-1969 को ।

(ख) इन मांगों में चौथी श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति, वर्दी की सप्लाई, बुनियादी दस्तकारों की पदोन्नति, चिकित्सा की सुविधा, क्वार्टरों का अनुरक्षण आदि शामिल हैं ।

(ग) और (घ). रेल प्रशासन इस सम्बन्ध में जांच करवा रहा है और मामले के गुणावगुण के अनुसार उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी ।

अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1969 में संशोधन

*759. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :**
श्री यज्ञ दत्त शर्मा :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री शारदा नन्द :
श्री बृज भूषण लाल :

क्या **विधि तथा समाज कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1955 को अधिक प्रभावी बनाने के लिये उसमें कोई उपयुक्त संशोधन करने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उस संशोधन को सदन के सामने किस तारीख को लाने की सम्भावना है ?

विधि मन्त्रालय और समाज कल्याण विभाग में राज्य मन्त्री (डा० (श्रीमती) फूलरेणु गुहा) : (क) और (ख). अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1955 को अधिक प्रभावी बनाने के लिये उसमें संशोधन करने के प्रश्न पर सक्रियता से विचार किया जा रहा है । आशा है कि संशोधक विधेयक संसद् के अगले सत्र में पेश कर दिया जाएगा ।

ACCESS ROAD TO PATHARDIH COAL WASHERY OF HINDUSTAN STEEL LTD.

*760. SHRI JYOTIRMOY BASU :
SHRI MOHAMMAD ISMAIL :
SHRI BHAGABAN DAS :
SHRI UMANATH :
SHRI GANESH GHOSH :

Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Pathardih Coal Washery under the Hindustan Steel Ltd. has got no proper access road to the Washery for which the employees of the Washery and the general public suffer extremely;

(b) whether it is also a fact that a plan to build an access road was prepared in the year 1959-60;

(c) if so, the reasons why no access road has been constructed till date; and

(d) what steps, if any, are being taken in this connection?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI K. C. PANT) : (a) Pathardih Coal Washery of Hindustan Steel Ltd. has already an access road which is across a level crossing of Pathardih Railway Marshalling Yard. There is also another access road through the Railway tunnel. This access road through the Railway tunnel is, however, narrow and trucks cannot pass through it, although motor cars and jeeps regularly use this road in preference to the road through the Marshalling yard.

(b) to (d). Hindustan Steel Ltd. have also got plans to have another access road for which tenders have been invited. The tenders are expected to be finalised in the near future.

"हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल" को हुई हानी

*761. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री** क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल को 1967-68 में हुई हानि इस कम्पनी की प्रदत्त पूंजी का 77.6 प्रतिशत है;

(ख) वर्ष 1968-69 में इस कम्पनी के कार्यकरण के क्या परिणाम हैं;

(ग) 1968-69 के लिये उत्पादन लक्ष्य क्या थे और वे कहां तक पूरे हुए हैं तथा 1969-70 के लिये निर्धारित किये गए उत्पादन लक्ष्य क्या हैं; और

(घ) इस कम्पनी के कार्य-संचालन में सुधार करने के लिये क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) हैवी इलैक्ट्रिकल्स (इण्डिया) लि० को 1967-68 तक 37.9 करोड़ रु० की कुल हानि हुई जो कम्पनी की 50 करोड़ रुपये की प्रदत्त पूंजी का 76 प्रतिशत के लगभग बनती है ।

(ख) और (ग). 1968-69 में कम्पनी के उत्पादन में गत वर्ष की अपेक्षा तैयार माल के मूल्य में पर्याप्त वृद्धि हुई जो लगभग 42 प्रतिशत थी । 1968-69 में कम्पनी के तैयार माल की कीमत 20.95 करोड़ रुपये थी जो उस वर्ष के लिये निर्धारित 22 करोड़ रु० के लक्ष्य का 95 प्रतिशत था । वर्ष 1969-70 के लिये तैयार माल का लक्ष्य 31.53 करोड़ रु० निर्धारित किया गया है ।

(घ) उत्पादन कार्यक्रम तथा कम्पनी को हुई हानियों को इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए देखना चाहिये कि इस प्रकार की विशाल परियोजना में तथा जटिल उपकरणों के निर्माण की व्यवस्था करने में अनिवार्य रूप से काफी समय लगता है, जिसमें उत्पादन क्षमता तथा प्रवीणता धीरे-धीरे ही आती है । चूंकि ऐसे संयंत्रों में बहुत अधिक पूंजी लगती है और पहले पांच वर्षों में अधिक हानि होना अपरिहार्य है । गत वर्ष इस उपक्रम का उत्पादन काफी संतोषजनक था तथा इस संयंत्र के उत्पादन एवं उत्पादिता दोनों में सुधार करने के लिये निरन्तर विभिन्न उपाय किये गए और किये जा रहे हैं । अन्य बातों के साथ-साथ इन उपायों में विभिन्न अन्य कदम ये हैं :—

(1) उत्पादन बढ़ाने के लिये निर्माण प्रविधियों में सुधार करना;

(2) व्यय पर और अधिक कड़े नियंत्रण का सुनिश्चय करना;

(3) संयंत्र तथा उपकरणों का अधिक प्रभावी प्रयोग करना एवं ऐसी वस्तुओं को निर्माण के लिये चुनना जिनसे अधिकतम आय हो सके ।